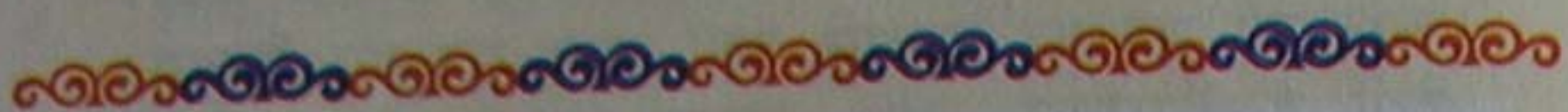


# आरती श्री शान्तिनाथ भगवान की



ॐ जय शान्तिनाथ स्वामी, प्रभु जय शांतिनाथ स्वामी ।  
मन वच तन से बन्दू-2, जय अन्तरयामी ॥१॥

**ॐ जय शान्तिनाथ स्वामी ।**

गर्भ जन्म जब हुआ आपका, तीन लोक हर्षे,  
स्वामी तीन लोक हर्षे ।

इन्द्र कियो अभिषेक शिखर पर-2, शिव मग के स्वामी ॥२॥

**ॐ जय शान्तिनाथ स्वामी ।**

पंचम चक्री भये आप ही षट् खण्ड के स्वामी,  
स्वामी षट्खण्ड के स्वामी ।

राज्य वैभव को भोगे-2, कामदेव नामी ॥३॥

**ॐ जय शान्तिनाथ स्वामी ।**

अतुल विभव को तृणवत त्यागे, हुवे कर्म नाशी,  
स्वामी हुवे कर्म नाशी ।

भये आप तीर्थकर-2, शिवरमणी स्वामी ॥४॥

**ॐ जय शान्तिनाथ स्वामी ।**

वीरसिन्धु को नमस्कार कर, तब आरती कँरू थारी,  
स्वामी आरती कँरू थारी ।

“सूरज” शिवपुर पावो-2, महा सौख्य धामी ॥५॥

**ॐ जय शान्तिनाथ स्वामी ।**

